Internship Cell
Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind
Event: Workshop on 'Internships: Bridging the Gap between Education and the Workplace'
17th February, 2026

On 17th February, 2026 an important workshop was organized by Internship Cell on the topic 'Internships: Bridging the Gap between Education and the Workplace' at Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind under the National Education Policy 2020. The objective of this workshop was to make students aware of practical learning, skill development and employment-oriented opportunities. The program was conducted by Internship Coordinator Dr. Upasana Garg. At the beginning of the program, Principal Dr. Poonam Mor addressed the students and stated that such workshops help students understand every aspect of internships. Thereafter, Program Convener Dr. Upasana Garg elaborated on the importance of internships. She explained that under the National Education Policy, internships have been made an integral part of education, enabling students to gain real workplace experience. She informed the students about internship opportunities available in various fields such as industry, education, social organizations and startups. She also highlighted that internships not only boost confidence but also help develop communication skills, teamwork and problem-solving abilities. During the workshop, students enthusiastically asked questions and gained information about the internship process, application procedures and the importance of certificates. In the end, Dr. Upasana advised students to choose internships according to their areas of interest and take active steps toward building their careers. On this occasion, Co-Convener Mrs. Rekha Saini, Dr. Geeta Gupta, Mrs. Anju, Miss Vanshika and Miss Jyotika also extended their support. Approximately 150 students attended and benefited from the workshop.

Glimpses and Media Coverage of the Event

जीन्द, बुधवार 18 फरवरी, 2026

www.jagatkranti.co.in

हिन्दू कन्या कॉलेज में एनईपी-2020 पर इंटर्नशिप कार्यशाला आयोजित

जगत क्रान्ति ⋙ जीन्द

हिन्दू कन्या महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत इंटर्नशिप विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को व्यावहारिक शिक्षा, कौशल विकास और रोजगारोन्मुख अवसरों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का संचालन इंटर्नशिप समन्वयक डॉ. उपासना गर्ग ने किया। प्राचार्या डॉ. पूनम मोर ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के विभिन्न पहलुओं को समझने में सहायक होती हैं। डॉ. उपासना गर्ग ने नई शिक्षा नीति में इंटर्नशिप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इससे छात्राओं को वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव मिलता है और उनके संचार कौशल, टीम वर्क तथा समस्या-समाधान क्षमता का विकास होता है। कार्यशाला में लगभग 150 छात्राओं ने भाग लिया और इंटर्नशिप प्रक्रिया, आवेदन पद्धति व प्रमाणपत्र के महत्व से संबंधित जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में सह-संयोजिका रेखा सैनी सहित अन्य प्राध्यापकों ने भी सहयोग प्रदान किया।

बुधवार • 18.02.2026

amarujala.com/jind

कार्यशाला कॅरिअर निर्माण में सहायक : डॉ. पूनम

इंटर्नशिप कार्यशाला में मौजूद स्टाफ सदस्य। स्रोत : संस्थान

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को नई शिक्षा नीति के तहत इंटर्नशिप पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ. पूनम मोर ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के सूक्ष्म पहलू को समझने और कॅरिअर निर्माण में सहायक सिद्ध होती हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं मुख्य संबोधन इंटर्नशिप समन्वयक डॉ. उपासना गर्ग ने किया। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति में इंटर्नशिप अब शिक्षा का अभिन्न अंग है, जो किताबी ज्ञान और कार्यस्थल के अनुभव के बीच की दूरी को मिटाता है। डॉ. उपासना बताया कि इससे आत्मविश्वास और टीम वर्क जैसे कौशल विकसित होते हैं। कार्यशाला में लगभग 150 छात्राओं ने भाग लिया और अपनी शंकाओं का समाधान किया। इस अवसर पर रेखा सैनी, डॉ. गीता गुप्ता और अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। संवाद

जींद केसरी

बुधवार WEDNESDAY, 18 फरवरी 2026

हिंदू कन्या महाविद्यालय में इंटर्नशिप विषय पर कार्यशाला का आयोजन

इंटर्नशिप के प्रत्येक पहलू को समझें छात्राएं : डॉ. पूनम मोर

जींद, 17 फरवरी (ललित) : हिंदू कन्या महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत इंटर्नशिप विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक शिक्षा, कौशल विकास तथा रोजगारोन्मुख अवसरों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम का संचालन इंटर्नशिप समन्वयक डॉ. उपासना गर्ग द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्या डॉ. पूनम मोर ने कहा कि इस प्रकार की यह कार्यशाला विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के प्रत्येक पहलू को समझने में मदद करेगी। डॉ. गर्ग ने इंटर्नशिप के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति में इंटर्नशिप को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया गया है। जिससे छात्र, छात्राओं को वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव प्राप्त होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों जैसे उद्योग, शिक्षा, सामाजिक संस्थाएं तथा स्टार्टअप में उपलब्ध इंटर्नशिप अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि इंटर्नशिप से न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि संचार कौशल, टीम वर्क तथा समस्या, समाधान क्षमता का भी विकास होता है। कार्यशाला दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और इंटर्नशिप प्रक्रिया, आवेदन पद्धति तथा प्रमाणपत्र के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की।

अंत में डॉ. उपासना ने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने रुचि क्षेत्रों के अनुसार इंटर्नशिप का चयन करें और अपने करियर निर्माण की दिशा में सक्रिय कदम उठाएं।

इस अवसर पर कार्यक्रम की सह संयोजिका रेखा सैनी, डॉ. गीता गुप्ता, अंजु, वंशिका एवं ज्योतिका ने भी अपना सहयोग दिया। लगभग 150 छात्राओं ने उपस्थित रह कर इस कार्यशाला का लाभ उठाया।

कार्यक्रम को संबोधित करती हुए प्राचार्या पूनम मोर।